

**केंद्रीय कर आयुक्त (अपील)**

**O/O THE COMMISSIONER (APPEALS), CENTRAL TAX,**  
 केंद्रीय उत्पाद शुल्क भवन,  
 सातवीं मंजिल, पॉलिटेक्निक के पास,  
 आम्बावाडी, अहमदाबाद-380015

7<sup>th</sup> Floor, Central Excise Building,  
 Near Polytechnic,  
 Ambavadi, Ahmedabad-380015

टेलिफोन : 079-26305065

टेलिफैक्स : 079-26305136

रजिस्टर डाक ए.डी. द्वारा

297270  
29760

क फाइल संख्या (File No.): V2(38)81 /North/Appeals/ 2017-18

ख अपील आदेश संख्या (Order-In-Appeal No.): AHM-EXCUS-002-APP- 418-17-18

दिनांक (Date): 3/28/2018 जारी करने की तारीख (Date of issue): 9/5/2018

श्री उमा शंकर, आयुक्त (अपील) द्वारा पारित

Passed by **Shri Uma Shanker**, Commissioner (Appeals)

ग \_\_\_\_\_ आयुक्त, केंद्रीय उत्पाद शुल्क, (मंडल-IV), अहमदाबाद उत्तर, आयुक्तालय द्वारा जारी

मूल आदेश सं \_\_\_\_\_ दिनांक \_\_\_\_\_ से सृजित  
 Arising out of Order-In-Original No 4257/Rebate/2017 Dated: 30/11/2017  
 issued by: Assistant Commissioner Central Excise (Div-IV), Ahmedabad North

घ अपीलकर्ता/प्रतिवादी का नाम एवम पता (Name & Address of the Appellant/Respondent)

**M/s Hiren Trading Corporation**

कोई व्यक्ति इस अपील आदेश से असंतोष अनुभव करता है तो वह इस आदेश के प्रति यथास्थिति नीचे बताए गए सक्षम अधिकारी को अपील या पुनरीक्षण आवेदन प्रस्तुत कर सकता है।

Any person an aggrieved by this Order-in-Appeal may file an appeal or revision application, as the one may be against such order, to the appropriate authority in the following way:

**भारत सरकार का पुनरीक्षण आवेदन :**  
**Revision application to Government of India:**

(1) (क) (i) केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1994 की धरा अतत नीचे बताए गए मामलों के बारे में पूर्वोक्त धारा को उप-धारा के प्रथम परंतुक के अंतर्गत पुनरीक्षण आवेदन अधीन सचिव, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, चौथी मंजिल, जीवन दीप भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001 को की जानी चाहिए।

A revision application lies to the Under Secretary, to the Government of India, Revision Application Unit, Ministry of Finance, Department of Revenue, 4th Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi-110001, under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-35 ibid:

(ii) यदि माल की हानि के मामले में जब हानि कारखाने से किसी भंडारगार या अन्य कारखाने में या किसी भंडारगार से दूसरे भंडारगार में माल ले जाते हुए मार्ग में, या किसी भंडारगार या भंडार में चाहे वह किसी कारखाने में या किसी भंडारगार में हो माल की प्रकिया के दौरान हुई हो।

In case of any loss of goods where the loss occur in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse

(ख) भारत के बाहर किसी राष्ट्र या प्रदेश में निर्यातित माल पर या माल के विनिर्माण में उपयोग शुल्क कच्चे माल पर उत्पादन शुल्क के रिबेट के मामले में जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या प्रदेश में निर्यातित है।



- (c) In case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty.

अंतिम उत्पादन की उत्पादन शुल्क के भुगतान के लिए जो ड्यूटी क्रेडिट मान्य की गई है और ऐसे आदेश जो इस धारा एवं नियम के मुताबिक आयुक्त, अपील के द्वारा पारित वो समय पर या बाद में वित्त अधिनियम (नं.2) 1998 धारा 109 द्वारा नियुक्त किए गए हों।

- (d) Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under and such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec.109 of the Finance (No.2) Act, 1998.

- (1) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (अपील) नियमावली, 2001 के नियम 9 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट प्रपत्र संख्या इए-8 में दो प्रतियों में, प्रेषित आदेश के प्रति आदेश प्रेषित दिनांक से तीन मास के भीतर मूल-आदेश एवं अपील आदेश की दो-दो प्रतियों के साथ उचित आवेदन किया जाना चाहिए। उसके साथ खाता इ. का मुख्यशीर्ष के अंतर्गत धारा 35-इ में निर्धारित फी के भुगतान के सबूत के साथ टीआर-6 चालान की प्रति भी होनी चाहिए।

The above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule, 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the OIO and Order-In-Appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account.

- (2) रिविजन आवेदन के साथ जहाँ संलग्न रकम एक लाख रुपये या उससे कम हो तो रुपये 200/- फीस भुगतान की जाए और जहाँ संलग्न रकम एक लाख से ज्यादा हो तो 1000/- की फीस भुगतान की जाए।

The revision application shall be accompanied by a fee of Rs.200/- where the amount involved is Rupees One Lac or less and Rs.1,000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac.

सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण के प्रति अपील:-  
Appeal to Custom, Excise, & Service Tax Appellate Tribunal.

- (1) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35-बी/35-इ के अंतर्गत:-

Under Section 35B/ 35E of CEA, 1944 an appeal lies to :-

- (क) वर्गीकरण मूल्यांकन से संबंधित सभी मामले सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण की विशेष पीठिका वेस्ट ब्लॉक नं. 3. आर. के. पुरम, नई दिल्ली को एवं

- (a) the special bench of Custom, Excise & Service Tax Appellate Tribunal of West Block No.2, R.K. Puram, New Delhi-1 in all matters relating to classification valuation and.

- (ख) उक्तलिखित परिच्छेद 2 (1) क में बताए अनुसार के अलावा की अपील, अपीलो के मामले में सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सिस्टेट) की पश्चिम क्षेत्रीय पीठिका, अहमदाबाद में ओ-20, न्यू मैटल हॉस्पिटल कम्पाउण्ड, मेघानी नगर, अहमदाबाद-380016.

- (b) To the west regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at O-20, New Metal Hospital Compound, Meghani Nagar, Ahmedabad : 380 016. in case of appeals other than as mentioned in para-2(i) (a) above.

- (2) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (अपील) नियमावली, 2001 की धारा 6 के अंतर्गत प्रपत्र इए-3 में निर्धारित किए अनुसार अपीलीय न्यायाधिकरणों की गई अपील के विरुद्ध अपील किए गए आदेश की चार प्रतियाँ सहित जहाँ उत्पाद शुल्क की मांग, ब्याज की मांग और लगाया गया जुर्माना रूपए 5 लाख या उससे कम है वहां रूपए 1000/- फीस भेजनी होगी। जहाँ उत्पाद शुल्क की मांग, ब्याज की मांग और लगाया गया जुर्माना रूपए 5 लाख या 50 लाख तक हो तो रूपए 5000/- फीस भेजनी होगी। जहाँ उत्पाद शुल्क की मांग, ब्याज की मांग और लगाया गया जुर्माना रूपए 50 लाख या उससे ज्यादा है वहां रूपए 10000/- फीस भेजनी होगी। की फीस सहायक रजिस्टार के नाम से

रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में संबंध की जाये। यह ड्राफ्ट उस स्थान के किसी नामित सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक की शाखा का हो जहाँ उक्त न्यायाधिकरण की पीठ स्थित है।

The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 as prescribed under Rule 6 of Central Excise (Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against (one which at least should be accompanied by a fee of Rs.1,000/-, Rs.5,000/- and Rs.10,000/- where amount of duty / penalty / demand / refund is upto 5 Lac, 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asstt. Registrar of a branch of any nominate public sector bank of the place where the bench of any nominate public sector bank of the place where the bench of the Tribunal is situated.

- (3) यदि इस आदेश में कई मूल आदेशों का समावेश होता है तो प्रत्येक मूल आदेश के लिए फीस का भुगतान उपर्युक्त ढंग से किया जाना चाहिए इस तथ्य के होते हुए भी कि लिखा पढी कार्य से बचने के लिए यथारिथति अपीलीय न्यायाधिकरण को एक अपील या केन्द्रीय सरकार को एक आवेदन किया जाता है।

In case of the order covers a number of order-in-Original, fee for each O.I.O. should be paid in the aforesaid manner notwithstanding the fact that the one appeal to the Appellate Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filled to avoid scriptoria work if excising Rs. 1 lacs fee of Rs.100/- for each.

- (4) न्यायालय शुल्क अधिनियम 1970 यथा संशोधित की अनुसूची-1 के अंतर्गत निर्धारित किए अनुसार उक्त आवेदन या मूल आदेश यथारिथति निर्णयन प्राधिकारी के आदेश में से प्रत्येक की एक प्रति पर रु.6.50 पैसे का न्यायालय शुल्क टिकट लगा होना चाहिए।

One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjournment authority shall a court fee stamp of Rs.6.50 paise as prescribed under scheduled-I item of the court fee Act, 1975 as amended.

- (5) इन ओर संबंधित मामलों को नियंत्रण करने वाले नियमों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जाता है जो सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (कार्याविधि) नियम, 1982 में निहित है।

Attention is invited to the rules covering these and other related matter contended in the Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.

- (6) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सिस्टेट), के प्रति अपील के मामले में कर्तव्य मांग (Demand) एवं दंड (Penalty) का 10% पूर्व जमा करना अनिवार्य है। हालांकि, अधिकतम पूर्व जमा 10 करोड़ रुपए है। (Section 35 F of the Central Excise Act, 1944, Section 83 & Section 86 of the Finance Act, 1994)

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सेवा कर के अंतर्गत, शामिल होगा "कर्तव्य की मांग" (Duty Demanded) -

- (i) (Section) खंड 11D के तहत निर्धारित राशि;
- (ii) लिया गलत सेनवैट क्रेडिट की राशि;
- (iii) सेनवैट क्रेडिट नियमों के नियम 6 के तहत देय राशि.

⇒ यह पूर्व जमा 'लंबित अपील' में पहले पूर्व जमा की तुलना में, अपील दाखिल करने के लिए पूर्व शर्त बना दिया गया है।

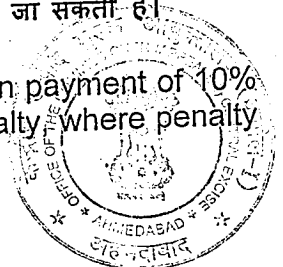
For an appeal to be filed before the CESTAT, 10% of the Duty & Penalty confirmed by the Appellate Commissioner would have to be pre-deposited. It may be noted that the pre-deposit is a mandatory condition for filing appeal before CESTAT. (Section 35 C (2A) and 35 F of the Central Excise Act, 1944, Section 83 & Section 86 of the Finance Act, 1994)

Under Central Excise and Service Tax, "Duty demanded" shall include:

- (i) amount determined under Section 11 D;
- (ii) amount of erroneous Cenvat Credit taken;
- (iii) amount payable under Rule 6 of the Cenvat Credit Rules.

इस सन्दर्भ में इस आदेश के प्रति अपील प्राधिकरण के समक्ष जहाँ शुल्क अथवा शुल्क या दण्ड विवादित हो तो मांग किए गए शुल्क के 10% भुगतान पर और जहाँ केवल दण्ड विवादित हो तब दण्ड के 10% भुगतान पर की जा सकती है।

In view of above, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty where penalty alone is in dispute."



**ORDER IN APPEAL**

The subject appeal is filed by M/s. Hiren Trading Company, 43, Saket Ind. Estate, Opp. Micro Lab, Changodar, Sarkhej- Bavla Road,. Village: Moraiya Dist- Ahmedabad,(hereinafter referred to as '*the appellant*') against the Order in Original No.4257/rebate/2017 (hereinafter referred to as '*the impugned order*') passed by the Assistant Commissioner, CGST Central Excise, Division-IV, Ahmedabad-North (hereinafter referred to as '*the adjudicating authority*').

2. The facts in brief of the case is, The appellant had filed a rebate claim for Rs. 29,756/- of Cenvat duty paid on goods cleared for export, along with relevant documents: they submitted an affidavit dated 18.08.2017, that they had lost/misplaced the triplicate copy of ARE-I . It was found that they have exported the goods "Sulphur Dust" as mentioned in the Bill of Lading & Shipping Bill. Excise Invoice dated 22.05.2017 & ER-3 return filed by them; further, they have failed to submit the triplicate copy of ARE1 No.25 dated 22.05.2017.the appellant has failed to fulfill the conditions under Notification No.19/2004-C.E. (N.T.) dated 06.09.2004. Hence, the rebate claim is liable for rejection. Show Cause Notice was issued, and vide the impugned order rejected the claim.

3. Being aggrieved by the impugned order, the appellant has filed present appeal on the following main grounds:

i. The adjudicating authority did not consider that the original and duplicate copies of ARE-1 No. 25/22-05-2017 were duly endorsed by the Customs authority. The adjudicating authority did not consider that the Bill of Lading No. AMC0552676 Dated 05-06-2017 is having details of Shipping Bill No.6326898 dated 26-05-2017.

ii. They submitted copy of statement of Bank realization. the payment of central excise duty for the goods cleared for export was made and reflected in the relevant ER- 3 return, copy of RG23 Part II account also submitted. That they submitted an affidavit regarding loss of the triplicate ARE-1, which he has not taken in to consideration and without looking in the matter rejected the claim. They rely upon the judgment in the case of M/s Sanket Industries Ltd. reported at 2011(268) ELT I25 (GOI)

4. Personal hearing was granted on 28-3-18. Shri B.R. Parmar, Consultant attended on behalf of the appellant. He requested to consider the submission made in their grounds of appeal .1<sup>st</sup> and 2<sup>nd</sup> copy ARE1 submitted.3<sup>rd</sup> copy is lost, an affidavit is filed.

5. I have carefully gone through all case records placed before me in the form of Show Cause Notice, the impugned order and written submissions made in GOA. I find that, the rebate of excise duties relate to export are covered No.19/2004- Customs (N.T.) dated 06.09.2004 and wherein procedure and relevant documents required for the rebate claim have been described.

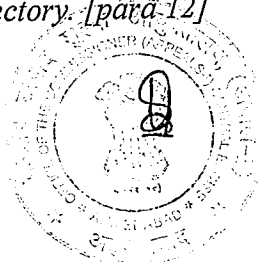
6. I find that the appellant has filed rebate claim in respect of ARE-1 No.25 dated 22.05.2017. Excise Invoices & ER-3 return also filed by them. I find that, the adjudicating authority did not consider that they have filed original and duplicate copy of ARE-1 duly endorsed by the Customs authority.

7. Further, on grounds of non submission of documents, I find that, the appellant have submitted copy of statement of Bank realization. The payment of excise duty for the goods cleared for export was made and reflected in the relevant ER- 3 return, also copy of RG23 Part II account is submitted. I also find that, they have filed an affidavit dated 18.08.2017, vide which they have declared that they had lost/misplaced the triplicate copy of ARE-I .That they have produced both first & second copy of triplicate ARE-1 duly signed by the customs authority. That rebate claim of duty paid on exported goods cannot be rejected on this ground, when the export & payment of duty is not disputed.

In view of this, I find that, this omission being procedural lapse, as the document is misplaced and an affidavit is filed. They have also submitted original and duplicate copy duly certified by the Customs Officer evidencing the export. Therefore, rebate claim cannot be denied. I rely on the case laws of 1. UM Cable Ltd. reported at 2013(293) ELT 641(Bom), it is held by the Hon'ble High Court that;

*Rebate - Claim of - Non-production of original and duplicate copy of ARE-1 - Ipso facto, it cannot invalidate rebate claim - In such a case, exporter can demonstrate by cogent evidence that goods were exported and duty paid, satisfying requirements of Rule 18 of Central Excise Rules, 2002 read with Notification No. 19/2004-C.E. (N.T.) - On facts, claim directed to be considered on basis of bills of lading, banker's certificate of inward remittance of export proceeds and certification by Customs authorities on triplicate copy of ARE-1. [paras 16, 17]*

*Rebate - Procedure - Notification No. 19/2004-C.E. (N.T.) and C.B.E. & C. Manual of Supplementary Instructions of 2005 only facilitate processing of rebate application and enables authority to be satisfied that requirement of goods having been exported and being of duty paid character - It cannot be raised to level of mandatory requirement - Rule 18 of Central Excise Rules, 2002 itself makes distinction between conditions/limitations and procedure for grant of rebate - Former are mandatory and latter directory. [para-12]*



2. Garg Tex-O-Feb Pvt. Ltd. -2011(271) ELT. 449 (GOI), it is held by the Revisionary Authority that;

*Rebate - Exports, proof of - Documents (ARE-1) lost and applicant could not produce original documents - Claim rejected by lower authorities - Applicant could have reconstructed the documents - Instead of rejecting the rebate claims for non-submission of original documents, the original authority should have considered collateral evidence to verify whether duty paid goods have actually been exported or not as per provisions of C.B.E. & C.'s Central Excise Manual of Supplementary Instructions - Impugned order set aside - Matter remanded to original Adjudicating Authority to decide the case afresh - Rule 18 of Central Excise Rules, 2002. [paras 7, 8, 9]*

Accordingly, I hold that the appellant is eligible for said rebate claim.

8. In view of the foregoing discussion and findings, I set aside the impugned order and allow the appeal of the appellant.

9. अपीलकर्ता द्वारा दर्ज की गई अपील का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है।

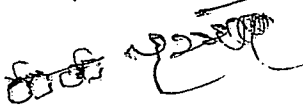
The appeal filed by the appellant stand disposed off in above terms.

उमा शंकर

(उमा शंकर)

आयुक्त (अपील्स)

Attested



( K.K.Parmar )

Superintendent (Appeals)  
Central tax, Ahmedabad.

Date- /3/18

By Regd. Post A. D

M/s. Hiren Trading Company,

43, Saket Ind. Estate, Opp. Micro Lab,

Sarkhej- Bavla Road,.

Village: Moraiya,

Dist-Ahmedabad .

Copy to :

1. The Chief Commissioner, CGST Central Excise, Ahmedabad zone.
2. The Commissioner, CGST Central Excise, Ahmedabad-North.
3. The Asstt. Commissioner, CGST ,Div-IV, Ahmedabad-North.
4. The Asstt. Commissioner (Systems), CGST, Ahmedabad-North.
5. Guard File.
6. PA file.

